Psychology Hons.
B.A. Part 1st
Paper 2nd

Abn-psy Guess

B.A. Part-I
PAPER-II

Explain the Dream theory of FRUED

Critically Describe the "wish fulfilment theory of Dream" presented by FRUED

स्वप्नो की मनोवैज्ञानिक व्याख्या प्रस्तुत करने का मुख्य श्रेय frued को जाता है इन्होंने अपनी पुस्तक 'The interpretation of dream' मे स्वप्न की विशद् एवं वैज्ञानिक व्याख्या प्रस्तुत किया है यह सिद्धान्त मनोविश्लेषणवाद (psycho-analysis) पर आधारित है। इस सिद्धान्त को wish fulfilment theory of Dream के नाम से भी जाना जाता है। Frued ने dream के अर्थ को अपने शब्दो मे परिभाषित करते हुए लिखा है कि —

"Dream is that unconcious mental process of sleeping state by which our Concious desire and wishes are expressed and fulfilled in a disguised form." अर्थात "स्वप्न निद्रावस्था की वह मानसिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा अचेतन मे दमित इच्छाओ की अभिव्यक्ति एवं संतुष्टि छद्म रूप मे होती है।"

Frued ने अपने Dream theory की मुख्य तथ्यात्मक बातो का विवरण इस प्रकार प्रस्तुत किया है—

① स्वप्न द्वारा इच्छा की पूर्ति होती है :— फ्रायड का यह मत है कि स्वप्न द्वारा व्यक्ति की दमित इच्छाओं की पूर्ति होती है। प्रत्येक व्यक्ति की कुछ इच्छाऐं ऐसी होती है जिन्हे जाग्रत

अवस्था में पूर्ति नहीं होता है क्योंकि उन्हें समाज की विरोध का सामना करना पड़ता है। अतः उनकी इच्छाओं का दमन हो जाता है जो चेतन स्तर से हट कर अचेतन मन में चली जाती है लेकिन अचेतन में पहुँचने के बाद भी ये दमित इच्छाएँ पूर्ण निष्क्रिय नहीं होता है बल्कि वह अभिव्यक्त होना चाहता है इसीलिए जब व्यक्ति नींद की अवस्था में होता है तो यह दमित इच्छा अपने रूप में परिवर्तित होकर स्वप्न में अभिव्यक्त होता है क्योंकि समाजिक सेन्सरशिप यहाँ भी लागू होती है। स्वप्नों में अधिकांशतः यौन या कामुक से सम्बंधित स्वप्न होता है क्योंकि व्यक्ति की इन इच्छाओं की पूर्ति अनेक कारणों से चेतन में नहीं किया जा सकता है उदाहरण के लिए कोई युवती किसी ~~~~ युवक से यौन सम्बंध स्थापित करना चाहती है परन्तु समाजिक एवं सांस्कृतिक संस्कारों के कारण वह चेतन में इस इच्छा की पूर्ति नहीं कर सकता है और वह चेतन का दमन कर देती है। ऐसी ही दमित इच्छाओं की पूर्ति स्वप्न में होती है।

2. यौन इच्छाओं का विशेष महत्व :-

व्यक्ति के स्वप्नों में सर्वाधिक विषय यौन इच्छाओं या काम से सम्बंधित होता है इसका कारण है कि व्यक्ति की बहुत सारी यौन इच्छाओं की तृप्ति संभव नहीं है क्योंकि व्यक्ति का Super Ego इन यौन इच्छाओं की तृप्ति पर रोक लगाता है फलतः इन यौन इच्छाओं का अचेतन में दमन हो जाता है फलतः इनका तृप्ति स्वप्न के रूप में होता है।

Scanned with CamScanner